Peer Reviewed Journal for M.Phil., Ph.D. & Appointment of Teacher in Universities & College

ISSN : 2454-4655 VOLUME - 7 No. : 1, Feb. - 2021

International Journal of Social Science & Management Studies

Referred & Review Journal

Indexing & Impact Factor 5.2

INTERNATIONAL JOURNAL OF SOCIAL SCIENCE & MANAGEMENT STUDIES

I.J.S.S.M.S

Radiant Group of Institution

Indian Tech

GLOBAL CERTIFICATION SERVICES

ISRS International Scientific Research Solution

UKAF

International Journal of Social Science & Management Studies

Scanned with CamScanner

20	आधुनिक हिन्दी व्यंग्य साहित्य में हरिशंकर परसाई जी का योगदान	डॉ. अनामिका कतरौलिया	78-79
21	कोल जनजाति के आर्थिक एवं सामाजिक विकास पर शासकीय योजनाओं का प्रभाव	प्रीती सतनामी, डॉ. मधुलिका श्रीवास्तव	80-83
22	ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं के क्रय व्यवहार पर दृश्य एवं श्रव्य साधनों के प्रभाव का अध्ययन	ज्योत्सना तिवारी, डॉ. श्रमती आशा पाण्डे, डॉ. श्रीमती गीता शुक्ला	84-90
23	भारत में लोक कल्याणकारी राज्य एवं प्रशासनिक सुधार	रजनीश कुमार चौरसिया	91-93
24	डा नगेन्द्र की अनुदित कृतियाँ	डॉ. मंजुलता चौधरी	94-95
25	बड़वानी जिले की भौगोलिक एवं जलवायविक स्थिति का अध्ययन	प्रो. रानी वास्केल	96-98
26	धार जिले में भूमि उपयोग स्वरूप का अध्ययन	आनंदसिंह ठाकुर	99-100
27	"भूमि उपयोग परिवर्तन का विश्लेषणात्मक अध्ययन" (सिवनी जिले के विशेष संदर्भ में)	कु. रंजीता कमलेश	101-104
28	भारत में पर्यावरण संरक्षण की अवधरणा	डॉ. बबिता गर्ग	105-108
29	आंगनवाड़ी केन्द्र जाने वाली ग्रामीण गर्भवती महिलाओं में सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का अध्ययन	डॉ. माया सालवी	109-113
30	कक्षा नवीं के विद्यार्थियों के लिये पर्यावरण शिक्षा से संबंधित विकसित पाठ्यगतिविधियों के प्रति प्रतिक्रियाओं का अध्ययन	मोहनसिंह बामनिया	114-118
31	डॉ. भीमराव अम्बेडकर का आर्थिक विचारों के इतिहास में योगदान	डॉ. उतसव आनन्द	119-123

Scanned with CamScanner

International Journal of Social Science & Management Studies - I.J.S.S.M.S.
Peer Reviewed-Refereed Research Journal, Indexing & Impact Factor - 5.2, Ex - UGC S.N. 5351
ISSN : 2454 - 4655, Vol. - 7, No. – 1, Feb. - 2021
2021

डॉ. भीमराव अम्बेडकर का आर्थिक विचारों के इतिहास में योगदान

डॉ. उतसव आनन्द
सह–प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

डॉ. भीमराव अम्बेडकर एक आर्थिक विचारक थे। अर्थशास्त्र विषय में उन्हें अनेक उपाधियाँ एवं योग्यताएँ प्राप्त थी। उन्होंने अपना शैक्षणिक जीवन अर्थशास्त्र के एक विद्यार्थी के रूप में प्रारम्भ किया। सन् 1913 में स्नातकोत्तर, अर्थशास्त्र के अध्ययन के लिए **कोलम्बिया विश्वविद्यालय न्यूयार्क (अमेरिका)** में, अक्टूबर 1916 में अर्थशास्त्र के उच्च एवं व्यापक अध्ययन के लिए **लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एवं पॉलिटिकल साइन्स, लंदन** में प्रवेश लिया।

सन् 1915 में उन्होंने **'इन्शेण्ट इंडियन कामर्स'** विषय पर लेख लिखा, एम.ए.के लिए **"एडमिनिस्ट्रेशन एण्ड फाइनेन्स ऑफ ईस्ट इण्डिया कम्पनी"** नामक शोध प्रबंध लिखा और पी. एच.डी. के लिए **'नेशनल डिविडेंण्ड ऑफ इण्डिया – ए हिस्टोरिक एण्ड एनेलिटिकल स्टडी"** विषय था।

जून 1921 में एम.एस.सी. की उपाधि प्राप्त की। इसके लिए उन्होंने शोध प्रबंध का विषय **"प्राविंसियल डीसेन्ट्रलाइजेशन ऑफ इम्पीरियल फाइनेन्स इन ब्रिटिश इण्डिया"** था। इस प्रकार अर्थशास्त्र विषय का उन्होंने विशेष अध्ययन किया। उन्होंने अक्टूबर 1922 में डी.एस.सी. (अर्थशास्त्र) उपाधि के लिए प्रवेश लिया तथा **"द प्रोब्लम ऑफ दी रूपी : इट्स ओरिजन एण्ड इट्स सॉल्यूशन"** विषय पर शोध प्रबन्ध प्रस्तुत किया।

इन ग्रन्थों के अलावा उन्होंने अपने आर्थिक विचारों को **संविधान सभा, संसद और अलग–अलग स्थानों** में दिए गए भाषणों तथा लेखों के माध्यम से भी व्यक्त किया। उन्होंने भारत देश की आर्थिक समस्याओं को समझा और उन समस्याओं के समाधान के लिए ठोस सुझाव दिए।

उन्होंने **बीमा, बजट, भारतीय जनसंख्या, औद्योगीकरण, मजदूरी, श्रमिक कल्याण, राज्य समाजवाद, भूमि सुधार, राजस्व, व्यापार, बैंकिंग, भारतीय मुद्रा, कृषि, मद्यनिषेध,** आदि आर्थिक विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए।

भारत में आर्थिक चिंतन की विचारधारा :– भारतीय आर्थिक चिंतन सदैव आध्यात्मिकता, धर्म और नैतिकता से जुड़ा रहा है, आज हम जिस **पर्यावरण संतुलन, विश्व कल्याण** की बात करते है उसकी व्याख्या कौटिल्य ने अपने अर्थशास्त्र में **वसुदैव कुटम्बकम** के रूप में की थी। राज्य की नीति, भूमि प्रबंध, कर संरचना, स्वतंत्र व्यापार और अहस्तक्षेप नीति आदि सभी का उल्लेख कौटिल्य के अर्थशास्त्र में देखने को मिलता है। राजा टोडरमल का भूमि बंदोबस्त या शेरशाह सूरी का बाजार प्रबंध जो सिद्ध करता है कि बाजार अर्थव्यवस्था का विचार भारत में प्राचीन काल से रहा है।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर के आर्थिक विचारों पर प्रभाव :– डॉ. अम्बेडकर के आर्थिक विचार अमेरिका, इग्लैण्ड और जर्मनी के साथ–साथ भारत की तत्कालीन सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक परिस्थितियों से प्रभावित थे। अम्बेडकर जी ने भी राज्य समाजवादी व्यवस्था का समर्थन करते हुए उसी के अनुरूप कृषि एवं आधारभूत उद्योगों पर राज्य का स्वामित्व एवं बीमा व्यवसाय पर राज्य के एकाधिकार का विचार प्रस्तुत किया।

ब्रिटेन की आर्थिक नीति का प्रमुख उद्देश्य **'इग्लैण्ड को लाभ तथा भारत की लागत'** था। इस कारण भारत की आर्थिक स्थिति अत्यधिक दयनीय थी। देश की आर्थिक तस्वीर में आमूलचूल परिवर्तन हो गया। कुटीर उद्योगों का ह्रास हो गया परिणामस्वरूप लोग बेरोजगार हो गए। उनकी क्रयशक्ति कम हो गई। भूमि पर जनसंख्या का दबाव बढ़ गया। भारी करारोपण और ऊँची ब्याज दर से भूमि पर निर्भरता बढ़ी जिसने लोगो को अधिक गरीब बना दिया। सीमा शुल्क ने भी उद्योग एवं व्यापार दोनों को क्षति पहुँचाई। दूसरी ओर रेलों के विस्तार ने इग्लैण्ड में निर्मित वस्तुओं के लिए भारत में एक व्यापक बाजार स्थापित कर दिया। अंग्रेजों का एक मात्र उदेश्य भारत का आर्थिक शोषण करना था। इन सभी परिस्थितियों का अध्ययन अम्बेडकर ने अपनी पुस्तक "The Evaluation of Provincial Finance in British India" में किया तथा कारण एवं निदान प्रस्तुत किए। उनका आर्थिक चिन्तन उनके जीवन के यथार्थ से जुड़ा था। उनकी

Scanned with CamScanner